वानिकी एवं वन्यजीव अध्ययनषाला
School of Studies (Forestry & Wildlife)
षहीद महेन्द्र कर्मा विष्वविद्यालय, बस्तर
Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar
धरमपुरा–2,जगदलपुर जिला–बस्तर (छ.ग.) –494 001
Dharampura-2, Jagdalpur, Dist- Bastar (CG)-494 001
Phone 07782-239037, Fax07782-239037 www.bvvjdp.ac.in

//कार्यवृत्त//

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर में वानिकी एवं वन्यजीव अध्ययनशाला द्वारा **दिनांक 21 मार्च, 2023** को **विश्व वानिकी दिवस** की थीम **"वानिकी एवं स्वास्थ्य"** विषय पर विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव, कुलपति शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, प्रोफेसर अभिषेक कुमार बाजपेई, कुलसचिव, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर तथा विभिन्न संस्थानों से विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का आरम्भ विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम से की गई जिसमें समस्त अतिथियों एवं छात्र–छात्राऐं सम्मिलित हुये। वृक्षारोपण में गुलमोहर एवं मौलश्री के 20 पौधों का रोपण किया गया एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। वानिकी दिवस के अवसर पर वानिकी एवं वन्य जीव अध्ययनशाला और वन विभाग के बीच एक एमओयू साइन किए जाने को लेकर कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव, विभाग के प्राध्यापकों और वन विभाग के अफसरों के बीच चर्चा हुई। जिसके जरिए छात्र वन विभाग के साथ मिलकर अनुसंधान और इंटर्नशीप कर पाएंगे। कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर शरद नेमा, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष द्वारा स्वागत उद्बोधन एवं आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया।

माननीय कुलपति जी द्वारा अपने उद्बोधन में बताया कि भारत में इस वक्त जितने भी कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं उनके केंद्र में कहीं ना कहीं पर्यावरण है। वनों को सहेजने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास जरूरी है क्योंकि क्लाइमेट चेंज खतरनाक रूप लेता जा रहा है। अगर क्लाइमेट चेंज इसी रफ्तार से होता रहा तो आने वाले वक्त में तीन मिलियन आबादी के पास पीने के लिए पानी भी नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अगर वृक्ष ना हों तो हम सिर्फ कार्बनडाइआक्साइड का उत्सर्जन करते जाएंगे। इस स्थिति में प्राण वायु खत्म हो जाएगी। इस साल वर्ल्ड फॉरेस्ट्री डे का थीम फॉरेस्ट और हेल्थ रखा गया है और यह दोनों विषय एक दूसरे से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। वनों से कई महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाएं प्राप्त होती हैं। जटिल रोगों के उपचार के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि फारेस्ट केवल ऑक्सीजन के लिए नहीं बल्कि आजीविका का भी साधन हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हमें बस्तर में पाए जाने वाले वनोपज के रूप में मिलता है। आगे उन्होंने बताया कि हम हर साल १० मिलियन हेक्टेयर वृक्ष कट रहे हैं, यह बेहद चिंतनीय हैं। ग्रीन डेवलपमेंट एक ऐसा विषय है जिस पर व्यापक स्तर पर काम होना जरूरी है। सिर्फ एक दिन चार–पांच पौधे लगाने से कुछ नहीं होगा पर्यावरण के लिए चेतना आना जरूरी है।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रीमती दिव्या गौतम, आईएफएस, डीएफओ और फॉरेस्ट्री विभाग की पूर्व छात्रा ने कहा कि जो हम धरा को देंगे वही वह हमें वापस लौटाएगी। पर्यावरण का संरक्षण सभी का सामाजिक उत्तरदायित्व है। विश्व में जिस तेजी से क्लाइमेट चेंज हो रहा है वह हम सभी के लिए एक चेतावनी है। ऐसे में जरूरी है कि जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में काम करें।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव और कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि श्री अभिषेक कुमार बाजपेयी ने कहा विश्व वानिकी दिवस मनाना तभी सफल होगा जब युवा खासकर छात्र इसे लेकर जागरूक

होंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ लेक्चर तक सीमित ना रह जाए। उन्होंने विद्यार्थियों के सामने वृक्षों के संरक्षण का एक मॉडल रखा और कहा कि अगर हर छात्र एक वृक्ष की जिम्मेदारी उठा ले तो हजारों वृक्ष हर साल तैयार हो जाएंगे। लगाए गए पौधों की हर महीने मॉनिटरिंग कर उसके संरक्षण पर काम किया जाए।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के डायरेक्टर श्री धम्मशील गणवीर, आई.एफ.एस. द्वारा वानिकी दिवस के इस वर्ष के थीम फॉरेस्ट और हेल्थ पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बस्तर में प्रकृति औए संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलता है। इसको सहेज कर रखना हमारी जिम्मेदारी है। बस्तर में 70 से 80 प्रतिशत वन हैं। सुकमा बीजापुर में 95 प्रतिशत तक वन हैं। विश्व में हम देखते हैं कि वनों को सहेजने का सबसे बेहतर तरीके से काम ट्राइबल्स ने ही किया है। आदिवासियों के हर पूजा–पाठ से वन जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि आदिवासियों के बीच वन कम नहीं हुए। बस्तर में तो लोगों के सरनेम से ही स्पष्ट हो जाता है कि वह कौन से वृक्ष और पक्षी के रक्षक हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप खुशनसीब हैं कि बस्तर जैसे इलाके में पढ़ाई करने का अवसर मिल पा रहा है क्योंकि यहां पर जिस तरह से वनों को सहेजने की संस्कृ ति है वैसी दुनिया में कहीं और कम ही दिखेगी। आगे उन्होंने कहा कि पर्यावरण को लेकर प्रॉब्लम बेस्ड रिसर्च होना चाहिए। साथ ही फारेस्ट और शिक्षा जुडना भी चाहिए।

डॉ. जय लक्ष्मी गांगुली, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय जगदलपुर ने कहा कि विश्व वानिकी दिवस हम हर साल मनाते हैं लेकिन इसे मनाने की जरूरत क्यों पड़ी इस पर हम विचार कम ही करते हैं। मनुष्य को जो वरदान प्रकृति ने पर्यावरण के रूप में दिया उसे हम बर्बाद ही करते आ रहे हैं। वनों और वन्यजीवों की प्रजाति धीरे–धीरे विलुप्त होती जा रही है। वन लगाने की दिशा में काम तो अब हो रहा है लेकिन पौधे भी कौन से लगें इस पर भी काम होना चाहिए। तेजी से बढने वाले वृक्ष लगाए जाने चाहिए। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कीटों एवं कीटनाशक के दुष्प्रभाव पर भी बात रखी।

व्याख्यान के दौरान डॉ. एस.के. मिश्रो, सेरीकल्चर रिसर्च सेंटर बस्तर के रीजनल डायरेक्टर ने कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाला सबसे बड़ा कारण मनुष्य ही है। यह दिवस हम वनों को बचाने के लिए नहीं बल्कि खुद को बचाने के लिए मना रहे हैं। संबोधन के दौरान उन्होंने छात्रों को सेरीकल्चर और पर्यावरण के बीच के संबंध के बारे में बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा भी अपने विचार कविता के रूप में श्री संदीप शर्मा, एमएससी (वानिकी एवं वन्यजीव) द्वितीय सेमेस्टर एवं श्री अहमद रजा, चतुर्थ सेमेस्टर ने पीपीटी प्रजेंटेशन देते हुए फॉरेस्ट और हेल्थ विषय पर अपनी बात रखी।

कार्यक्रम का संचालन अध्ययनशाला के सहायक प्राध्यापक डॉ. सजीवन कुमार और आभार प्रदर्शन प्रोफेसर शरद नेमा, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, वानिकी एवं वन्यजीव अध्ययनशाला ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्ययनशाला के सहायक प्राध्यापक और कार्यक्रम सह समन्वयक डॉ. विनोद कुमार सोनी, डॉ. डीएल पटेल, डॉ सुकृता तिर्की, डॉ. दुर्गेश डिक्सेना, डॉ. अनुरोध बनोदे, डॉ. निलेश तिवारी, डॉ. भूपेंद्र वर्मा, डॉ. रश्मि देवांगन, डॉ. ओशीन कुंजाम, डॉ. भुवनेश्वर लाल साहू, राकेश गौतम, डॉ. राज कुमार, दिलेश जोशी, डॉ. रामचंद्र साहू, केशव तिवारी समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के 70 छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

Head
SoS (Forestry & Wildlife)
Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar
Jagdalpur, District - Bastar (Chhattisgarh)

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं सदस्यगण

वृक्षारोपण कार्यक्रम

हरिभूमि
रायपुर - वनांचल भूमि
22 Mar 2023

वनों को सहेजना जरूरी, क्योंकि क्लाइमेट चेंज खतरनाक रूप लेता जा रहा : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

वनों को सहेजने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास जरूरी है क्योंकि क्लाइमेट चेंज खतरनाक रूप लेता जा रहा है। अगर क्लाइमेट चेंज इसी रफ्तार से होता रहा तो आने वाले वक्त में तीन मिलियन आबादी के पास पीने के लिए पानी नहीं होगा। यह बातें शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के वानिकी एवं वन्य जीव अध्ययनशाला की ओर से विश्व वानिकी दिवस पर मंगलवार

- विश्व वानिकी दिवस पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

को आयोजित व्याख्यान के दौरान कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कही। उन्होंने कहा कि अगर वृक्ष ना हों तो हम सिर्फ कार्बनडाई आक्साइड का उत्सर्जन करते जाएंगे। इस स्थिति में प्राण वायु खत्म हो जाएगी। इस साल वर्ल्ड फॉरेस्ट्री डे का थीम फॉरेस्ट और हेल्थ रखा गया है और यह दोनों विषय एक दूसरे से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। वनों से कई महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाएं प्राप्त होती हैं। जटिल रोगों के उपचार के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि फारेस्ट केवल ऑक्सीजन के लिए नहीं बल्कि आजीविका का भी साधन हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हमें बस्तर में पाए जाने वाले वनोपज के रूप में मिलता है। हम हर साल 10 मिलियन हेक्टेयर वृक्ष कट रहे हैं, यह बेहद चिंतनीय हैं। ग्रीन डेवलपमेंट एक ऐसा विषय है जिस पर व्यापक स्तर पर काम होना जरूरी है। सिर्फ चार-पांच पौधे लगाने से कुछ नहीं होगा पर्यावरण के लिए चेतना आना जरूरी है।

वानिकी एवं वन्य जीव अध्ययनशाला के प्रमुख और कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर शरद नेमा ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। डीएफओ और फॉरेस्ट्री विभाग की पूर्व छात्रा दिव्या गौतम ने कहा कि जो हम धरा को देंगे वही वह हमें वापस लौटाएगी। पर्यावरण का संरक्षण सभी का सामाजिक उत्तरदायित्व है। विश्व में जिस तेजी से क्लाइमेट चेंज हो रहा है वह हम सभी के लिए एक चेतावनी है। ऐसे में जरूरी है कि जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में काम करें। विश्वविद्यालय के कुलसचिव अभिषेक कुमार बाजपेयी ने कहा विश्व वानिकी दिवस मनाना तभी सफल होगा जब युवा खासकर छात्र इसे लेकर जागरूक होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों के सामने वृक्षों के संरक्षण का एक मॉडल रखा और कहा कि अगर हर छात्र एक वृक्ष की जिम्मेदारी उठा ले तो हजारों वृक्ष हर साल तैयार हो जाएंगे। इस दौरान डॉ. विनोद कुमार सोनी, डॉ. डीएल पटेल, डॉ. अनुरोध बनोदे, डॉ. निलेश तिवारी, डॉ. भूपेंद्र वर्मा, डॉ. रश्मि देवांगन, डॉ. ओशीन कुंजाम, डॉ. भुवनेश्वर लाल साहू, राकेश गौतम, डॉ. राज कुमार, दिलेश जोशी, डॉ. रामचंद्र साहू, केशव तिवारी समेत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

आदिवासियों के कारण बचे हैं जंगल

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के डायरेक्टर धम्मशील गणवीर ने वानिकी दिवस के इस वर्ष के थीम फॉरेस्ट और हेल्थ पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बस्तर में प्रकृति और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलता है। इसको सहेज कर रखना हमारी जिम्मेदारी है। बस्तर में 70 से 80 प्रतिशत वन हैं। सुकमा बीजापुर में 95 प्रतिशत तक वन हैं। विश्व में हम देखते हैं कि वनों को सहेजने का सबसे बेहतर तरीके से काम ट्राइबल्स ने ही किया है। आदिवासियों के हर पूजा-पाठ से वन जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि आदिवासियों के बीच वन कम नहीं हुए।

वन है तो जीवन है

कृषि महाविद्यालय जगदलपुर की अधिष्ठाता डॉ.जय लक्ष्मी गांगुली ने कहा कि विश्व वानिकी दिवस हम हर साल मनाते हैं लेकिन इसे मनाने की जरूरत क्यों पड़ी इस पर हम विचार कम ही करते हैं। मनुष्य को जो वरदान प्रकृति ने पर्यावरण के रूप में दिया उसे हम बर्बाद ही करते आ रहे हैं। वनों और वन्य जीवों की प्रजाति धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है। वन लगाने की दिशा में काम तो अब हो रहा है लेकिन पौधे भी कौन से लगें इस पर भी काम होना चाहिए। तेजी से बढ़ने वाले वृक्ष लगाए जाने चाहिए।

मानव पहुंचा रहा पर्यावरण को नुकसान

सेरीकल्चर रिसर्च सेंटर बस्तर के रीजनल डायरेक्टर डॉ. एसके मिश्रो ने कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाला सबसे बड़ा कारण मनुष्य ही है। यह दिवस हम वनों को बचाने के लिए नहीं बल्कि खुद को बचाने के लिए मना रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान अध्ययनशाला के छात्र अहमद रजा ने पीपीटी प्रजेंटेशन देते हुए फॉरेस्ट और हेल्थ विषय पर अपनी बात रखी। संचालन अध्ययनशाला के सहायक प्राध्यापक डॉ. सजीवन कुमार और आभार प्रोफेसर शरद नेमा ने माना। कार्यक्रम के पूर्व विश्वविद्यालय कैंपस में अतिथियों के द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर वानिकी एवं वन्य जीव अध्ययनशाला और वन विभाग के बीच एमओयू साइन किए जाने को लेकर कुलपति प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव, विभाग के प्राध्यापकों और वन विभाग के अफसरों के बीच चर्चा हुई।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Jagdalpur - 22 Mar 2023 - 22jdp1
epaper.navabharat.news

पर्यावरण संरक्षण के लिए वनों को सहेजना जरूरी : कुलपति

शमक विवि में वानिकी एवं वन्य जीव अध्ययनशाला में व्याख्यान

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

भारत में इस वक्त जितने भी कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, उनके केंद्र में कहीं ना कहीं पर्यावरण है। वनों को सहेजने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास जरूरी है, क्योंकि क्लाइमेट चेंज खतरनाक रूप लेता जा रहा है। उक्त बातें शमक विवि के कुलपति प्रो मनोजकुमार श्रीवास्तव ने यहां आयोजित व्याख्यान माला के दौरान कही।

ज्ञात हो कि शहीद महेन्द्र कर्मा विश्व विद्यालय के वानिकी एवं वन्य जीव अध्ययनशाला की ओर से विश्व वानिकी दिवस पर मंगलवार को व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो श्रीवास्तव ने कहा कि अगर क्लाइमेट चेंज इसी रफ्तार से होता रहा तो आने वाले वक्त में तीन मिलियन आबादी के पास पीने के लिए पानी भी नहीं होगा। अगर वृक्ष ना हों तो हम सिर्फ कार्बनडाइ आक्साइड का उत्सर्जन करते जाएंगे। इस स्थिति में प्राण वायु खत्म हो जाएगी। इस दौरान वानिकी एवं वन्य जीव अध्ययनशाला के प्रमुख और कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर शरद नेमा ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को डॉ. जय लक्ष्मी गांगुली, डॉ. एसके मिश्रा ने भी संबोधित किया। संचालन डॉ. सजीवन कुमार और आभार प्रदर्शन प्रोफेसर शरद नेमा ने किया। कार्यक्रम में डॉ विनोद कुमार सोनी, डॉ डीएल पटेल, डॉ अनुरोध बनोदे, डॉ निलेश तिवारी, डॉ भूपेंद्र वर्मा, डॉ रश्मि देवांगन, डॉ ओशीन कुंजाम, डॉ भुवनेश्वर लाल साहू, राकेश गौतम, डॉ राज कुमार, दिलेश जोशी, डॉ रामचंद्र साहू, केशव तिवारी समेत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

डीएफओ और फॉरेस्ट्री विभाग की पूर्व छात्रा दिव्या गौतम ने कहा कि जो हम धरा को देंगे वहीं वह हमें वापस लौटाएगी। पर्यावरण का संरक्षण सभी का सामाजिक उत्तरदायित्व है। विश्व में जिस तेजी से क्लाइमेट चेंज हो रहा है वह सभी के लिए एक चेतावनी है। ऐसे में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करना होगा।

जागरूकता जरूरी : बाजपेयी

विश्वविद्यालय के कुलसचिव अभिषेक कुमार बाजपेयी ने कहा कि विश्व वानिकी दिवस मनाना तभी सफल होगा जब युवा खासकर छात्र इसे लेकर जागरूक होंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ लेक्चर तक सीमित ना रह जाए, अगर हर छात्र एक वृक्ष की जिम्मेदारी उठा ले तो हजारों वृक्ष हर साल तैयार हो जाएंगे।

Convenor
Dr Sharad Nema,
Professor & Head,
Forestry & Wildlife

Co-Convenor
Dr Vinod Kumar Soni,
Assistant Professor,
Forestry & Wildlife

Co-Convenor
Dr Sajiwan Kumar,
Assistant Professor,
Forestry & Wildlife

Shri Bipul Paul, Member,
Technical Assistance

Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar, Jagdalpur, (Chhattisgarh)

World Forestry Day

21st March 2023

Theme-Forest and Health

Chief Guest
Prof Manoj Kumar Srivastava,
Hon'ble Vice-Chancellor, SMKV, Bastar

Special Guest
Prof Abhishek Kumar Bajpai,
Registrar, SMKV, Bastar

Invited Speaker
Dr (Mrs) Jaya Laxmi Ganguli, Dean,
Agriculture College, Jagdalpur

Invited Speaker
Shri D S Ganvir $_{IFS}$, DFO &
Director KVNP, Bastar

Invited Speaker
Mrs Divya Gautam $_{IFS}$, Divisional
Forest Officer, Bastar

Invited Speaker
Dr S K Misro, Director, Regional
Sericulture Research Center, Bastar

Invited Speaker
Shri R S Kushwaha, Range
Officer, Bakawand

Date	Time & Programme details:
20/03/20223	1.00 pm-Essay Competition
21/03/20223	9.00 am –Plantation (University Campus)
	10.00 am – Welcome address by Dr Sharad Nema
	10.10 am – Address by Hon'ble Vice-Chancellor, SMKV, Bastar
	10.25 am – Address by Registrar , SMKV, Bastar
	Expert Speech by Invited Speaker
	10.40 am –Shri R S Kushwaha, Range Officer
	11.00 am –Dr S K Misro, Director, RSRC, Bastar
	11.20 am –Dr (Mrs) Jaya Laxmi Ganguli, Dean, CoA, Jagdalpur
	11.40 am –Mrs Divya Gautam, DFO, Bastar
	12.00 pm –Shri D S Ganvir, DFO & Director, KVNP, Bastar
	12.05 pm –Students Presentation
	12.40 am –Vote of thanks

Organised by

School of Studies (Forestry & Wildlife)
Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar,
Jagdalpur (Chhattisgarh)-494 001

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar
धरमपुरा–2,जगदलपुर जिला–बस्तर (छ.ग.) –494 001
Dharampura-2, Jagdalpur, Dist- Bastar (CG)-494 001
Phone 07782-239037, Fax07782-239037 www.bvvjdp.ac.in

क्रमांक/6926/विश्व वानिकी दिवस/ श.म.क.वि.वि./2023 जगदलपुर दिनांक 17/03/2023

//आदेश//

विश्व वानिकी दिवस 21 मार्च, 2023

विश्वविद्यालय अध्ययनशाला के समस्त छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि आजादी के अमृत महोत्सव 2022 के अंतर्गत वानिकी एवं वन्यजीव अध्ययनशाला, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर द्वारा दिनांक 21 मार्च, 2023 को विश्व वानिकी दिवस का आयोजन वनों के महत्व और वृक्षारोपण के बारे में जागरूकता के उद्देश्य हेतु किया जाना सुनिश्चित है। उक्त विश्व वानिकी दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम निम्नानुसार आयोजित होंगे–

कार्यक्रम विवरण

क्र	कार्यक्रम	दिनांक	समय
1	निबंध प्रतियोगिता–शीर्षकः *"वन और स्वास्थ"*	20.03.2023	प्रातः 11 बजे से
2	वृक्षारोपण		प्रातः 09 बजे से
3	व्याख्यान – विशेषज्ञों द्वारा विश्व वानिकी दिवस पर व्याख्यान	21.03.2023	प्रातः 11.:15 बजे से

अतः विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, संविदा/अतिथि शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी, दैनिक वेतन भोगी एवं छात्र–छात्राएँ वानिकी एवं वन्यजीव अध्ययनशाला द्वारा आयोजित कार्यक्रम 21 मार्च, 2023 विश्व वानिकी दिवस में आमंत्रित है।

कुलसचिव
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय,
बस्तर, जगदलपुर (छ.ग.)

पृ क्रमांक/6927/विश्व वानिकी दिवस /श.म.क.वि.वि./2023 जगदलपुर दिनांक 17/03/2023

प्रतिलिपिः–

1. मान. कुलपति महोदय के निज सहायक, श.म.क.वि.वि., बस्तर, जगदलपुर, (छ.ग.) को सूचनार्थ।
2. IQAC समन्वयक, श.म.क.वि.वि., बस्तर, जगदलपुर, (छ.ग.) को सूचनार्थ।
3. समस्त विभाग प्रमुख, श.म.क.वि.वि., बस्तर, जगदलपुर, (छ.ग.) को सूचनार्थ।
4. विभागाध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, श.म.क.वि.वि., बस्तर, जगदलपुर, (छ.ग.) को सूचनार्थ।

विभागाध्यक्ष/कार्यक्रम संयोजक
वानिकी एवं वन्यजीव अध्ययनशाला
श.म.क.वि.वि, बस्तर, जगदलपुर (छ.ग.)

विश्व वानिकी दिवस

दिनांक : 21 मार्च 2023

कार्यक्रम शीर्षक : वन एवं स्वास्थ्य

आयोजक - वानिकी एवं जनजातीय अध्ययनशाला

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.)

अतिथियों का विवरण

प्रोफेसर (डॉ.) मनोज कुमार श्रीवास्तव — Manoj K. Srivastava
माननीय कुलपति एवं कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रोफेसर अभिषेक बाजपेयी — [signature] 21/3/23
कुलसचिव महोदय

प्रोफेसर (डॉ.) उमा लक्ष्मी गांगुली — [signature] 21/3/23
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय जगदलपुर (छ.ग.)

माननीय श्री डॉ. एम. गनवीर — [signature] 21/3/23
डायरेक्टर, कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान

माननीया (श्रीमती) दिव्या गौतम — [signature] 21/3/2023
वन मण्डलाधिकारी वन विभाग, जगदलपुर

डॉ. एस. के. मिश्रा — [signature] 21.03.2023
डायरेक्टर सेरीकल्चर अनुसंधान केन्द्र जगदलपुर

डॉ. डी. एन. पटेल — [signature] 21.03.23
प्रोफेसर एवं कार्यक्रम समन्वयक (NSS

डॉ. शरद नेमा, प्रोफेसर
विज्ञापनकला व्यावसायिक एवं जनसंचार

[signature] 21/3/2023

कार्यक्रम में आमंत्रित सम्मानित शिक्षकगण, शासक [illegible]

01	Rashmi Dewangan	SoS in Business Management	[signature] 21/03/23
02	Dr. Durgesh Dixena	SoS in Rural Technology	[signature] 21/03/23
03	Shobha Ram Nag	SOS in Anthropology	[signature]
04	Dr. Ramchand Sahu	SoS in Anthropology	[signature]
05	Dr. Raj Kumar	SoS in Rural Tech	[signature]
06	Obin Kunjam	SOS in Business Management	[signature]
07	Dr. Anurodh Bansde	SoS in Business Management	[signature] 21/3/23
08	Dr. M. Tiwari	"	[signature] 21/03/2023
09	Dilesh Joshi	SOS Rural Technology	[signature] 21/3/23
10	Dr. Bhupendra ku verma	SoS in Business Management	[signature] 21/3/23
11	Akash Mishra	SOS Journalism and Mass Comm	[signature] 21-03-2023
12	Keshav Tiwari	SoS Journalism & Mass comm	[signature] 21-03-2023
13	Bipul Paul	SoS Forestry	[signature]

Name	Dept.	Sem	Signature
(1) Deepak Sharma	Forestry	II	Deepak
2 Sabeet	—do—	II	Sabeet
3. Aditya Singh	Forestry	II	Aditya
4. Harshankar Sinha	forestry		Harsha
5) Arjun Kashyap	Forestry	II	Arjun
6. Vibhav Kumar	forestry	II	[illegible]
7 Vinod kumar	forestry	II	[illegible]
8) Jayprakash Tiwari	forestry	II nd	[illegible]
9) Bhuneshwari Verma	Forestry	IV th sem.	[illegible]
10) Bhupendra Kumar Patel	forestry	IV	[illegible]
11 Shashikant	forestry	II Sem.	[illegible]
12 Aditya Ghilendra	forestry	II sem	Aditya
13 Raju Ram Kashyap	forestry	II sem	Raju
14 Mohan poyam	forestry	II sem	[illegible]
15 Kishan maurya	forestry	II nd sem	Kishan
16. AHMAD RAZA.	forestry	IV sem.	[illegible]
17 Jaya Dahriya	forestry	II sem	Jaya
18 Vandna	forestry	II sem	Vandna
19. Dolly Verma	forestry	IV sem	Dolly
20. Namita Guha	Forestry	IV Sem	Namita
21 Priyanka Soni	forestry	IV Sem	Priyanka
22 Preeti	forestry	II sem	Preeti
23. Santoshi Bhat	Forestry	IV sem	Santoshi
24 Neelam Tirsi	Forestry	IV Sem	Neelam
25. Prerana Kushwah	forestry	II nd Sem	[illegible]
26 pallavi Netam	forestry	II nd Sem	[illegible]
27) Nishi Gaikwad	forestry	IV Sem	[illegible]
28) Monika Lahre	forestry	IV Sem.	Monika
29) Harshita Verma	forestry	II nd Sem	H Verma
30) Priyanka Netam	forestry	II nd sem	Priya
31) Parmeshwari Sahu	forestry	II nd Sem	Sahu
32) Brijkishor Banjare	forestry	IV th sem	[illegible]

Name	Dept	Sem	Signature
Deepika	PGDCA	II	Deepika
Priya	PGDCA	II	Priya
Manyo	PGDCA	II	Manya
Manshi Mohanty	PGDCA	II sem	Manshi
Hemlata Singh	PGDCA	II sem	Hemlata
Thaina Thakur	PGDCA	II sem	Thaina
Tejaswi Nayak	PGDCA	II sem	Tejaswi
Lata Thakur	P.G.D.CA	II nd Sem	Lata
Saurabh Mishra	PG.DCA	II nd Sem	Saurabh
Aarushi	— " —	— " —	Aarushi
Salil	— " —	— " —	Salil Roy
Pushpa	— " —	— " —	Pushpa
Arvind	— " —	— " —	Arvind
Mangal dev	— " —	— " —	Mangal
Pramod	— " —	— " —	Pramod
Avinash	— " —	— " —	Avinash
Vishal	— " —	— " —	Vishal Soni
Madhuri	MSC (Rural Technology)	II Sem	Madhuri
Lakhna	M.Sc (Rural Technology)	II sem	Lakhna
Suraj Tiwari	m.sc. (Rural Technology)	II sem	S Tiwari
Subhadra	m.sc. (Rural Technology)	II sem	Subhadra
Lomesh	m.sc (Rural Technology	II sem	Lomesh
Mamta	m.sc (Rural Technology	II sem	Mamta
Phulsingh	m.sc (Rural Technology	II sem	Phulsingh
Bhawna chauhan	m.sc (Rural Technology	II sem	Bhawna
Kalpana ~~chau~~ sahu	m.sc (Rural Technology)	II Sem	Kalpana
Oresh Kumar	m.sc. (Rural Technology)	II sem	Oresh
Khirendra	m.sc (Rural Technology	II sem	Khirendra
mukesh	m.sc (Rural Technology)	II sem	Mukesh